दि0 14-06-2017

30 प्रतिशत बिजली बचत, 30 प्रतिशत कम रोगी, 30 प्रतिशत ज्यादा काम

महोदय,

देश में बिजली की समस्या को देखते हुए अनेको प्रकार के प्रयोग किये गये ! जिनके तहत काफी सफलता प्राप्त हुई ! परन्तु बिजली आम लोगो तक न पहुॅचकर वी0वी0आई0पी0 या पैसे वालो तक सीमित रह गई ! मंहगी बिजली होने के कारण गरीब की झोपडी व गांव के अंतिम छोर तक नहीं पहुंचती !

बिजली दूर दराज के अंतिम छोर तक पहुॅचे इसके लिए उद्योगपति, समाजसेवी एवं प्रचार प्रसार का व्यवसाय करने वाले सत्यप्रकाश रेशू ने कई सफलतम प्रयोग किये ! जिनके तहत 60 प्रतिशत तक बिजली की बचत सम्भव हैं ! परन्तु वे मात्र 30 प्रतिशत बिजली बचत की बात कहते हैं !

खोजकर्ता ने एक 25 फुट x 10 फुट के कमरे में 12 घंटे में 1.5 टन का ए0सी0 चलाने पर पाया कि लगभग 24 यूनिट खर्च आती हैं ! अर्थात् 24 यूनिट रू0 10 प्रति यूनिट के हिसाब से रू0 240 खर्च हुऐ ! उसी कमरे का ए0सी0 बंद करके किवाड खोलकर सोने पर 12 घंटे में मात्र 2 यूनिट पंखा चलाने में खर्च आता हैं ! अर्थात् 2 यूनिट रू0 10 प्रति यूनिट के हिसाब से मात्र रू0 20 खर्च हुए ! प्रयोगकर्ता ने कमरे की सारी खिडकियों पर मच्छर जाली लगवायी ताकि मच्छर अन्दर न आ सकें व अन्दर का वातावरण बिना ए0सी0 के पंखे से ही सोने लायक ठंडा हो जायें ! इस प्रयोग से लगभग 22 यूनिट की बचत हुई ! साथ ही ए0सी0 की तुलनात्मक नींद में पंखें की प्राकृतिक नींद ज्यादा अच्छी रही ! जिससे दिन में काम करने की क्षमता ज्यादा अच्छी रही ! साथ ही एवं मच्छर काटने से होने वाली बिमारी व ए0सी0 में सोने से होने वाली बिमारियों से बचा जा सका ! खर्च के नाम पर मात्र 10 रूपये की मच्छर मार दवा स्प्रे कराई गई व रू0 20 की पंखा चलाने में बिजली लगी ! बचत के नाम पर ए0सी0 में खर्च होने वाली 22 यूनिट बिजली बची !

इसी प्रकार का एक प्रयोग लगभग 40 फुट x 30 फुट के खुले मैदान में करा गया जहॉ मच्छरो को रोकने के लिए मच्छर मार दवा छिडकर मोर्टिन क्वाईल भी लगा दी गई ! जिससे पंखा व ए0सी0 में खर्च होने वाली बिजली की बचत हुई ! साथ ही प्राकृतिक वातावरण में ए0सी0 एवं पंखे के मुकाबले कई गुनी ज्यादा गहरी एवं सुलभ नींद आयी ! खर्च के नाम पर केवल 20 रूपये की मोर्टिन क्वाईल लगानी पडी ! बचत के नाम पर ए0सी0 व पंखे में खर्च होने वाली बिजली बची ! जो हमारे ग्रामीण क्षेत्रो के अन्तिम छोर पर रहने वाले ग्रामीणो को काम हेतु मिली !

तीनो प्रयोग करने के बाद कुछ ऐसे स्थानो पर जाकर देखा गया जहॉ लोग प्रकृति के खुले वातावरण में सोते हो एवं उनके व्यवसायिक उत्पादन हेतु बिजली की समस्या हैं ! तो ज्यादातर लोगो ने उत्तर दिया कि हमें बिजली रात को सोने के लिए नही बल्कि काम के लिए चाहिये ! इसलिए भारत सरकार की प्राथमिकता भी पहले बिजली काम के लिए, फिर विश्राम के लिए उपलब्ध कराना हैं ! परन्तु बिजली की उपलब्धता कम होने के कारण सरकार उस स्तर तक बिजली नहीं पहॅचा पाती जिस नीचे / पिछडे स्तर तक बिजली आम लोगो तक पहुॅचनी चाहिये ! उसी को ध्यान में रखते हुए 30 प्रतिशत बिजली की बचत, 30 प्रतिशत कम रोगी, 30 प्रतिशत ज्यादा काम के आधार पर प्रयोग किया गया फार्मूला कामयाब दिखा !

इस संबध में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को पत्र लिखकर अवगत कराया गया व केन्द्र सरकार के बिजली मंत्री श्री पीयूष गोयाल को दिनांक 29 अप्रैल 2017 को व्यक्तिगत रूप से अवगत कराया गया! जिसे पीयूष गोयल ने ध्यान से सुनकर मेल पर भेजने के लिए कहा एवं अपने कार्यालय में दो उच्चाधिकारियों की डयूटी मिटिंग के लिए लगाई ! जो मीटिंग किन्ही कारणो से अभी तक संभव नही हो सकी ! जबकि बिजली समस्याओं को देखते हुए जिस स्तर पर श्री पीयूप गोयल जी ने वार्ता की थी उस स्तर पर 30 प्रतिशत बिजली बचत का फार्मूला प्राथमिकता पर लागू होना चाहिये !

शोधकर्ता ने इस 30 प्रतिशत बिजली बचत के प्रयोग को **" मच्छर मारो एप "** का नाम दिया हैं जिसका अर्थ संक्षिप्त में यह हैं कि यदि हम बिजली की समस्या पर तत्काल विजय प्राप्त करना चाहते हैं तो कितना पैसा हम नई बिजली बनाने में खर्च कर रहे हैं उसे तो करते रहे ! साथ ही बहुत ही कम खर्च पर मच्छरो का मार दिया जाये ! जैसा कि हम अक्सर बडे बडे कुंभ मेलो, शुभ अवसरो आदि पर करते रहे हैं ! जिससे मच्छर न होने के कारण ज्यादातर लोग खुले में बिना ए0सी0 व पंखे के स्वेच्छा से सोना पंसद करते हैं ! साथ ही मच्छर न होने के कारण खुले वातावरण में सोने से गहरी नींद आयेगी व मच्छरो के काटने से होने वाली बिमारियों से भी राहत मिलेगी ! जब किसी भी देश में आम जनता को प्राकृतिक गहरी नींद आयेगी, मच्छर नहीं काटेगें तो काम करने की क्षमता स्वतः ही कम से कम 30 प्रतिशत ज्यादा होगी ! अर्थात् 30 प्रतिशत बिजली की बचत, 30 प्रतिशत कम रोगी, 30 प्रतिशत काम करने की ज्यादा क्षमता वाली ये एप भारत के लिए एक रामबाण औषधि का काम करेगी !

शोधकर्ता ने ये शोध मात्र उन लोगो के लिए किया जो खुली प्राकृतिक हवा में स्वः इच्छा से सोना चाहते हैं ! परन्तु मच्छरो के काटने के कारण व मच्छरो के काटने से होने वाली **"डेंगू"**जैसी बीमारी के डर के कारण खुले में नहीं सो पाते !

30 प्रतिशत बिजली बचत, 30 प्रतिशत कम रोगी, 30 प्रतिशत ज्यादा काम के इस आंदोलन को बडे स्तर पर चलाना होगा ! क्योकि पूर्व में भी जैसे परिवार नियोजन, चेचक, पोलियो, आजादी आंदोलन व सबका साथ सबका विकास आदि जैसे कार्यक्रम चलाकर सफलता प्राप्त की !

अब ये प्रयोग केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार पर निर्भर करता है कि आम जन को 30 + 30 + 30 = 90 प्रतिशत तक का लाभ कैसे देना चाहेगी ! शोधकर्ता सत्यप्रकाश रेशू के बिजली बचत अभियान पर छोटे बडे प्रयोग अभी भी जारी रहेगें ! जिससे भारत देश में कम रेट पर सरकार पिछडे एवं ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम छोर तक आसानी से लाईट उपलब्ध करा सकें !

आपका,

(सत्यप्रकाश रेशू) 9837058160
रेशू चौक, रेशू विहार, सरकुलर रोड,
मुजफ्फरनगर - (उ0प्र0) - 251001